## कार्यकारी सारांश

### परिचय

एमओईएफ और सीसी के अनुसार, नई दिल्ली राजपत्र दिनांक 14 सितंबर 2006 और उसके बाद प्रस्तावित खनन परियोजना को श्रेणी 'बी 1' परियोजना के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

द्वारा प्रस्तावित किया जा रहा है श्री राहुल रणवीर। प्रस्तावक ने खनन पट्टे के लिए आवेदन किया है **भोजपुर सोन 34 बालू घाट** खता पर रेत खनन परियोजना सं। - 371, खसरा नंबर- 4134 व 4135 थाना नं। - सोन नदी के किनारे से 424, ग्राम - फुलारी, पीएस- संध्या संदेश अंचल- संदेश, जिला-भोजपुर (बिहार) के पास 53.60 हेक्टेयर क्षेत्र में।यह 643200 CUM या 1157760 टन / वर्ष खनिजों के आसपास का प्रस्ताव है। प्रस्तावित परियोजना के लिए अनुमानित परियोजना लागत रु।**338.12 लाख।**

### परियोजना विवरण

### स्थान

प्रस्तावित खनन पट्टा क्षेत्र भारत के सर्वेक्षण में आता है 72 C / 11 (G45M11) । पट्टा क्षेत्र में स्थित है **भोजपुर सोन 34 बालू घाट**, सोन नदी के गाँव पर - फुलारी, पीएस - संदेश, अंचल- संदेश, जिला-भोजपुर (बिहार)। खदान के पट्टे के निर्देशांक नीचे सूचीबद्ध हैं:

**खदान लीज पिलर को-ऑर्डिनेट्स**

**A. 25 ° 22'38.14 "N 84 ° 44'3.40" E**

**B 25 ° 22'3.55 "N 84 ° 43'57.15" E**

**C 25 ° 21'51.70 "N 84 ° 43'35.88" E**

**D 25 ° 21'44.45 "N 84 ° 43'51.38" E**

**E 25 ° 22'30.16 "N 84 ° 44'18.94" E**

**क्षेत्र और उत्पादन:** कुल एमएल क्षेत्र 53.60 है। उत्पादन की प्रस्तावित दर होगी 643200 CUM या 1157760 टन / वर्ष।

**संपर्क:**

निकटतम रेलवे स्टेशन है गढ़नी रेलवे स्टेशन, लगभग। डब्ल्यू दिशा की ओर 17 किमी।

पटना एयरपोर्ट, लगभग। एनई दिशा की ओर 37.5 किमी मेरा साइट से।

सबसे पास एनएच -98: लगभग। लगभग। ई दिशा की ओर 4.6 कि.मी.
SH-81: लगभग। लगभग। डब्ल्यू दिशा की ओर 1.4 किमी।

।

## परियोजना की मुख्य विशेषताएं

| | |
|---|---|
| आवेदक का नाम | श्री राहुल रणवीर, |
| पट्ट का पता | श्री राहुल रणवीर,<br>एस / ओ सुरेंद्र रे,<br>ग्रामीण- सुरंगापुर, पीओ- कोरी,<br>पीएस- संदेश, 802164। |
| खानों का नाम | **भोजपुर सोन 34 बालू घाट** |
| गाँव | फुलारी |
| तहसील | संदेश |
| जिला और राज्य | भोजपुर, बिहार |
| खनिज | रेत |
| क्षेत्र (हेक्टेयर) | 53.60 हेक्टेयर |
| पानी की मांग | 5.7 केएलडी |

## खुदाई

खनन प्रक्रिया ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग के बिना अफीम अर्ध-मशीनीकृत विधि है। टिपरों में खनिज लोड करने के लिए हल्के वजन वाले उत्खनन का उपयोग किया जाएगा। कोई ड्रिलिंग / ब्लास्टिंग की आवश्यकता नहीं है क्योंकि सामग्री प्रकृति में ढीली है।

रेत का दोहन 3.0 मीटर की गहराई तक किया जाएगा। एक उत्खनन की तैनाती के साथ रेत का दोहन किया जाएगा और टिपरों में भरा जाएगा और विभिन्न खरीदारों तक पहुंचाया जाएगा।

## संरक्षण और उत्पादन

7.5 मीटर के सुरक्षा क्षेत्र को पट्टा क्षेत्र के चारों ओर छोड़ दिया जाएगा। काम की गहराई सतह से 3 मीटर होगी। टन प्राप्त करने के लिए मात्रा को थोक घनत्व (1.8) से गुणा किया जाता है।

प्रस्तावित रेत का वार्षिक शोषण घाट 643200 CUM या 1157760 टन / वर्ष का होगा।
यह एक नदी तल जमा है और खनन क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष मानसून की अवधि के दौरान फिर से भरना होगा और खदान की गहराई प्रत्येक वर्ष नदी के रेत से भर जाएगी और क्षेत्र अपनी मूल स्थलाकृति को बहाल करेगा।

## साइट सुविधाएं और केंद्र

### जलापूर्ति

पीने और घरेलू प्रयोजन के लिए श्रमिकों के लिए प्रस्तावित परियोजना के लिए पानी की आवश्यकता होगी। धूल दमन के लिए भी पानी उपलब्ध कराया जाएगा। ताजे पानी का उपयोग केवल पीने के उद्देश्य के लिए किया जाएगा। पानी की आपूर्ति पास के गांव से उपलब्ध स्रोतों से की जाएगी।

### अस्थाई रेस्ट शेल्टर

आराम के लिए साइट के पास श्रमिकों के लिए एक अस्थायी आराम आश्रय प्रदान किया जाएगा। के अतिरिक्त,प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स होगासाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। श्रमिकों के लिए स्वच्छता सुविधा अर्थात सेप्टिक टैंक या सामुदायिक शौचालय की सुविधा प्रदान की जाएगी।

## बेसलाइन पर्यावरणीय स्थिति

वायु, शोर, जल, मिट्टी, वनस्पतियों और जीवों के लिए प्रस्तावित खनन के संबंध में पर्यावरणीय डेटा एकत्र किया गया है। बेसलाइन पर्यावरण अध्ययन, सर्दियों के मौसम के दौरान खनन पट्टे क्षेत्र के आसपास 10 किमी की रेडियल दूरी वाले क्षेत्र में किया गया था **मार्च 2020 से जून 2020**।

### अंतरिक्ष-विज्ञान

निगरानी अवधि के लिए सारांशित मौसम संबंधी डेटा (**मार्च 2020 से जून 2020**) नीचे दिया गया है:

**तालिका 1: - आधारभूत पर्यावरणीय स्थिति**

| गुण | आधार रेखा की स्थिति |
|---|---|

| | |
|---|---|
| **परिवेशी वायु गुणवत्ता** | 13 AAQ निगरानी स्टेशनों के लिए परिवेशी वायु गुणवत्ता अध्ययन से पता चलता है कि PM10 के लिए अधिकतम और न्यूनतम जमीनी स्तर एकाग्रता क्रमशः है98.6 AAQ1 पर µg / m3 और 49.3µg / m3at AQ10। जबकि PM2.5 के लिए अधिकतम और न्यूनतम जमीनी स्तर की एकाग्रता58.9 AAQ6 पर µg / m3 और27.5क्रमशः AAQ13 पर µg / m3। इसी तरह, एसओ 2 के लिए, अधिकतम और न्यूनतम जमीनी स्तर की एकाग्रता अलग-अलग होती है14.9 µg / एम 3 और3.2क्रमशः AAQ1 और AAQ13 स्टेशनों के लिए µg / m3। NO2 के लिए अधिकतम और न्यूनतम जमीनी स्तर की एकाग्रता के बीच अंतर होता है27.1माइक्रोग्राम / एम 3 और 9.8 क्रमशः AAQ5, और AAQ13 स्टेशनों के लिए µg / m3। |
| **शोर का स्तर** | शोर निगरानी अध्ययन से पता चलता है कि दिन के समय न्यूनतम और अधिकतम शोर स्तर NQ10 पर NQ10 में 52.1 डीबी (ए) और 52.6 डीबी (ए) के रूप में दर्ज किए गए थे। रात के समय में न्यूनतम और अधिकतम शोर स्तर NQ5 पर 30.2 dB (A) और NQ9 में 43.36 dB (A) पाया गया।<br>अध्ययन क्षेत्र में कुछ घरेलू गतिविधियों को छोड़कर कोई अन्य प्रमुख शोर उत्पादक स्रोत नहीं हैं, जो क्षेत्र के स्थानीय शोर स्तर में योगदान देता है। आस-पास के गाँवों में यातायात की गतिविधियाँ क्षेत्र के परिवेश शोर स्तर को भी जोड़ती हैं। |
| **पानी का गुणवत्ता** | 4 भूजल नमूनों और 3 सतह के पानी के नमूनों का विश्लेषण किया गया और निष्कर्ष निकाला गया कि:<br>भूजल के भौतिक विश्लेषण के परीक्षण से पता चलता है कि पीने के पानी के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (IS: 10500: 2012) में निर्धारित सीमा के संबंध में भूजल की गुणवत्ता आमतौर पर अच्छी है। उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पीने के उद्देश्य के लिए भूजल के नमूने फिट हैं।<br>सीपीसीबी के सर्वश्रेष्ठ नामित उपयोग (बीडीयू) मानदंड को पूरा करने के लिए भूतल जल गुणवत्ता पर अवलोकन पाया गया। सतह के पानी के नमूनों में कोई धातु संदूषण नहीं पाया गया। |

| | |
|---|---|
| **मिट्टी का गुणवत्ता** | पहचान किए गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूने पीएच मान को 7.52 से 8.21 तक दर्शाते हैं जो दर्शाता है कि मिट्टी प्रकृति में थोड़ी क्षारीय है। रेत, गाद और मिट्टी की मिट्टी का प्रतिशत<br>मृदा नमूनों में क्रमशः 57.2% -70.2%, 10.3% -16.3%, और 16.2% 32.5% से लेकर, पानी की धारण क्षमता 32.6 - 46.1 Mg / 100 ग्राम की सीमा में पाई गई थी। |
| **पारिस्थितिकी और जैव-विविधता** | अध्ययन क्षेत्र में कोई पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र मौजूद नहीं हैं। |

## संबंधित पर्यावरणीय विभाग

### वायु पर्यावरण पर प्रभाव

खनिजों का संग्रह और उठान अर्ध-यंत्रवत् किया जाएगा। इसलिए, उत्पन्न धूल नगण्य होने की संभावना है क्योंकि कोई ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग नहीं होगी। केवल वायु प्रदूषण स्रोत ही ट्रकों का सड़क परिवहन नेटवर्क हैं।

पानी सड़कों पर दिन में दो बार छिड़काव किया जाएगा। इससे धूल उत्सर्जन में और 74% की कमी आएगी। संचालन के दौरान उत्सर्जन सीमाओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए निगरानी की जाएगी

### जल पर्यावरण पर प्रभाव

मानसून के मौसम में नदी के भीतर या आस-पास से रेत के खनन का भौतिक-रासायनिक निवास स्थान की विशेषताओं पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। इन विशेषताओं में धारा खुरदरापन तत्व, गहराई, वेग, अशांति, तलछट परिवहन और धारा निर्वहन शामिल हैं।

बेड सामग्री खनन से उत्पन्न बायोटा के लिए हानिकारक प्रभाव, निम्नलिखित के कारण होते हैं:

- नदी के संशोधन के परिणामस्वरूप प्रवाह पैटर्न का परिवर्तन
- मानसून के मौसम के दौरान निलंबित तलछट की अधिकता।

प्रोजेक्ट गतिविधि केवल सोनरिवर के सूखे हिस्से में की जाएगी। इसलिए, परियोजना की कोई भी गतिविधि जल पर्यावरण को सीधे प्रभावित नहीं करती है। परियोजना में, केवल मानसून के मौसम में किसी भी धारा को मोड़ना या काट देना प्रस्तावित नहीं है। नदी से (मानसून में) या भूजल के दोहन के लिए किसी भी प्रस्ताव की परिकल्पना नहीं की गई है।

**भूमि पर्यावरण पर प्रभाव**

धारा बिस्तर सामग्री का प्रस्तावित निष्कर्षण, मौजूदा धारा के नीचे खनन, और चैनल-बिस्तर के रूप और आकार में परिवर्तन से चैनल बिस्तर और बैंकों के क्षरण, चैनल ढलान में वृद्धि, और चैनल आकारिकी में परिवर्तन जैसे कई प्रभाव हो सकते हैं, यदि संचालन व्यवस्थित रूप से नहीं किया जाता है।

रेत के व्यवस्थित और वैज्ञानिक निष्कासन से बेड की गिरावट नहीं होगी। कचरे के रूप में उत्पन्न गाद और मिट्टी का उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा या अन्य स्थानों पर कम क्षेत्र को भरा जा सकता है। खनन की योजना गैर-मानसून मौसमों में ही बनाई जाती है, ताकि खुदाई का क्षेत्र प्रत्येक वर्ष मानसून के दौरान धीरे-धीरे फिर से भर जाता है।

**शोर पर्यावरण पर प्रभाव**

प्रस्तावित खनन गतिविधि प्रकृति में अर्ध-मशीनीकृत है। खनन गतिविधि के लिए कोई ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की परिकल्पना नहीं की गई है। इसलिए, खनिजों के परिवहन के लिए तैनात वाहनों की आवाजाही के कारण एकमात्र प्रभाव अनुमानित है। वाहनों को अच्छी स्थिति में रखा जाएगा ताकि शोर न्यूनतम न्यूनतम स्तर तक कम हो जाए।

**जैविक पर्यावरण पर प्रभाव**

जैसा कि प्रस्तावित खनन वैज्ञानिक तरीके से किया जाएगा, बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव अनुमानित नहीं है। जलीय जीवन पर प्रभाव को कम करने के लिए मानसून के मौसम के दौरान कोई खनन नहीं किया जाएगा, जो मुख्य रूप से कई प्रजातियों के लिए प्रजनन का मौसम है। खनन स्थल पर कोई वनस्पति नहीं है, वनस्पति की कोई निकासी नहीं की जाएगी। घास की सड़कों को पानी के साथ छिड़का जाएगा जिससे धूल का उत्सर्जन कम होगा, जिससे फसलों को नुकसान होगा।

## सामाजिक आर्थिक पर्यावरण पर प्रभाव

क्षेत्र में खनन गतिविधि का प्रभाव क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक है। जब भी मानवशक्ति की आवश्यकता होती है रेत खनन स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

## पोस्ट परियोजना पर्यावरणीय निगरानी

| क्र.सं. | पैरामीटर का विवरण | निगरानी की अनुसूची |
|---|---|---|
| 1 | हवा की गुणवत्ता | मानसून को छोड़कर प्रत्येक मौसम में सप्ताह में दो बार 24 घंटे के नमूने |
| 2 | पानी की गुणवत्ता (भूतल और भूजल) | साल में एक बार 4 सीजन के लिए |
| 3 | मिट्टी की गुणवत्ता | वर्ष में एक बार परियोजना क्षेत्र में |
| 4 | शोर का स्तर | साल में दो बार पहले दो साल और फिर साल में एक बार |
| 5 | सामाजिक-आर्थिक स्थिति | 3 साल में एक बार |
| 6 | वृक्षारोपण की निगरानी | एक बार एक सीजन में |

## अतिरिक्त छात्र

## सार्वजनिक सुनवाई

जनसुनवाई का मसौदा ईआईए द्वारा संबंधित अधिकारियों को प्रस्तुत किए जाने के बाद आयोजित किया जाएगा। जनता और अन्य हितधारकों द्वारा पहचाने गए मुद्दों और मदों को सार्वजनिक सुनवाई मिनटों के रूप में दी जाएगी, तदनुसार इसे अंतिम एनआईए रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

## जोखिम आकलन

पूर्ण खनन परिचालन प्रबंधन और एक योग्य खान प्रबंधक होल्डिंग के निर्देशन में किया जाएगा। डीजीएमएस नियमित रूप से खदान प्रबंधन द्वारा आपदा के मामले में स्थायी आदेश, मॉडल स्थायी आदेश और परिपत्र जारी किए जा रहे हैं, यदि कोई हो। इसके अलावा, खनन कर्मचारियों को समय-समय पर उन्हें सचेत करने के लिए रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों में भेजा जाएगा।

**आपदा प्रबंधन योजना**

आपदा प्रबंधन की योजना में आपातकालीन तैयारी एक महत्वपूर्ण पहलू है। सावधानीपूर्वक नियोजित, सिम्युलेटेड प्रक्रियाओं के माध्यम से कार्मिक को उपयुक्त रूप से प्रशिक्षित और मानसिक और शारीरिक रूप से आपातकालीन प्रतिक्रिया में तैयार किया जाएगा। इसी तरह, प्रमुख कर्मियों और आवश्यक कर्मियों को संचालन में प्रशिक्षित किया जाएगा।

**परियोजना के लाभ**

**शारीरिक लाभ:** सड़क परिवहन, बाजार, हरित आवरण और सामुदायिक संपत्ति का सृजन।

**सामाजिक लाभ:** रोजगार में वृद्धि, सरकारी खजाने में योगदान, स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में वृद्धि, शैक्षिक उपलब्धि और मौजूदा सामुदायिक सुविधाओं को मजबूत बनाना।

**पर्यावरणीय लाभ:**

- नदी चैनल को नियंत्रित करना और बैंकों की सुरक्षा।
- बाढ़ के कारण आसपास की कृषि भूमि को जलमग्न करना।
- नदी के स्तर को कम करना।
- अवैध खनन गतिविधि पर एक जांच।

**कॉरपोरेट एनवायरनमेंटल रिस्पांसबिलिटी**

परियोजना लागत की पूंजीगत लागत का 2% शिक्षा, सामाजिक कारणों, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरण से संबंधित गतिविधियों के लिए कॉर्पोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए आवंटित किया जाएगा।

**पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी)**

- बैंक से सेफ्टी ज़ोन छोड़कर बिस्तर से निकासी की जाएगी।
- अधिकतम कार्य गहराई क्षेत्र के भूजल तालिका के ऊपर रहेगी।

- स्वास्थ्य प्रभाव को कम करने के लिए प्रभाव क्षेत्र में श्रमिकों और आसपास के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करें।
- वन्यजीव संरक्षण सुनिश्चित करना और उसी के लिए जागरूकता अभियान चलाना।
- नदी को ठीक तलछट छोड़ने वाली गतिविधियाँ कम से कम करें।
- खनिजों के परिवहन और हैंडलिंग के दौरान गड़बड़ी को कम करने के लिए प्रभावी शमन उपायों को अपनाया जाएगा
- स्थानीय / देशी और तेजी से बढ़ती प्रजातियों के रोपण के साथ पुनर्ग्रहण कार्यक्रम की स्थापना
- मानसून के मौसम की शुरुआत में खदान के बंद होने के दौरान बहाली योजना की स्थापना।
- आसन्न आपदाओं के प्रभावों से बचने के लिए समय पर एहतियाती कदम उठाने के लिए प्रभावी आपदा प्रबंधन योजना की स्थापना।
- पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा प्रभावी निगरानी कार्यक्रम की स्थापना।

**तालिका -2: - प्रबंधन प्रबंधन बजट**

| **क्र। नहीं** | **विवरण** | **पूंजीगत लागत (लाख)** | **आवर्ती लागत (लाख)** |
|---|---|---|---|
| 1 | पर्यावरण निगरानी के रूप में: -<br><br>ए-एयर क्वालिटी:<br>बी-जल गुणवत्ता (भूतल और भूजल दोनों)<br>सी- शोर निगरानी | शून्य | 1.0 |
| 3 | धूल का दमन | शून्य | 1.5 |
| 4 | ग्रीन बेल्ट विकास | 5.36 | 0.5 |
| 5 | ढोना सड़क निर्माण और रखरखाव | 0.50 | 0.81 |
| **संपूर्ण** | | **5.86** | **3.81** |

## निष्कर्ष

ईआईए अध्ययन के आधार पर यह देखा गया है कि धूल प्रदूषण में वृद्धि होगी, जिसे पानी और वृक्षारोपण के छिड़काव से नियंत्रित किया जाएगा। खनन गतिविधियों के कारण परिवेश के वातावरण और पारिस्थितिकी पर एक नगण्य प्रभाव पड़ेगा, इसके अलावा खनन कार्य क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष

रोजगार पैदा करेगा। क्षेत्र के चारों ओर ग्रीन बेल्ट विकास को एक प्रभावी प्रदूषण शमन तकनीक के रूप में भी लिया जाएगा, साथ ही खदान के परिसर से जारी प्रदूषकों को नियंत्रित करने के लिए भी। खनन कार्य जारी रहने तक निगरानी कार्यक्रम का पालन किया जाएगा। इसलिए, यह संक्षेप किया जा सकता है कि खदान के विकास से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और क्षेत्र का सतत विकास होगा।

**********